आकाशवाणी, गोरखपुर

दिनांक–25 जून 2025 सान्ध्य समाचार

लखनऊ के शुभांशु शुक्ला ने तीन अन्य अंतरिक्ष यात्रियों के साथ स्पेसएक्स ड्रैगन अंतरिक्ष यान पर सवार होकर एक्सिओम–4 मिशन के लिए आज कैनेडी अंतरिक्ष केन्द्र से दोपहर बारह बजकर एक मिनट पर उडान भरी।

इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के बाद ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने अंतरिक्ष से एक संदेश भेजा, जिसमें उन्होंने कहा कि यह एक अद्‌भुत यात्रा है। उन्होंने कहा कि भारत 41 साल बाद एक बार फिर अंतरिक्ष में है। ग्रुप कैप्टन शुक्ला ने यह भी कहा कि यह यात्रा अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन की शुरुआत नहीं है, बल्कि भारत के मानव अंतरिक्ष कार्यक्रम की शुरुआत है।

नमस्कार, मेरे प्यारे देशवासियो, वॅट अ राइड। 41 साल बाद हम वापस अंतरिक्ष में पहुंच गए हैं और कमाल की राइड थी। इस समय हम साढे सात किलोमीटर प्रति सैकेंड की रफ्तार से पृथ्वी के चारों तरफ घूम रहे हैं, और मेरे कंधे पर मेरे साथ मेरा तिरंगा है जो मुझे बता रहा है कि मैं आप सबके साथ हूं। ये मेरी इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन तक की ये जर्नी की शुरूआत नहीं है, ये भारत के ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम की शुरूआत है, और मैं चाहता हूं कि आप सभी देशवासी इस यात्रा का हिस्सा बनें। आपका भी सीना गर्व से चौड़ा होना चाहिए। आप भी उतना एक्साइटमेंट दिखाईये, आईये हम सब मिलकर भारत के ह्यूमन स्पेस प्रोग्राम की जर्नी की शुरूआत करें। जय हिंद, जय भारत।

तीन अप्रैल 1984 को राकेश शर्मा के बाद शुभांशु शुक्ला अंतरिक्ष में जाने वाले पहले भारतीय हैं।

इस बीच, राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने कहा है कि ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला ने अंतरिक्ष में भारत के लिए एक नया मील का पत्थर स्थापित किया है। उन्होंने कहा कि पूरा देश उनकी इस उपलब्धि से उत्साहित और गौरवान्वित है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत, हंगरी, पोलैंड और अमेरीका के अंतरिक्ष यात्रियों को लेकर अंतरिक्ष मिशन के सफल प्रक्षेपण का स्वागत किया है। सोशल मीडिया पर पोस्ट में श्री मोदी ने कहा कि ग्रुप कैप्टन शुक्ला अपने साथ 140 करोड भारतीयों की इच्छाएं, उम्मीदें और आकांक्षाएं लेकर आए हैं। श्री मोदी ने उन्हें और अन्य अंतरिक्ष यात्रियों को सफलता की शुभकामनाएं दीं।

उधर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोशल मीडिया पर शुभकामना संदेश देते हुए लिखा है कि भारत के लिये यह गर्व का क्षण है। एक्सिओम मिशन–चार के मिशन पायलट ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला को इस ऐतिहासिक उपलब्धि पर हार्दिक बधाई।

****

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मौजूदगी में आज गोरखपुर, कानपुर व कन्नौज के डेयरी प्लांट और अम्बेडकरनगर की पशु आहार निर्माणशाला के संचालन के लिये राष्ट्रीय विकास डेयरी बोर्ड–एनडीडीबी और उत्तर प्रदेश कोऑपरेटिव डेयरी फेडरेशन के मध्य समझौता हुआ। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार दुग्ध उत्पादकों की आय बढ़ाने, पशुधन आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त करने और उपभोक्ताओं को गुणवत्तायुक्त उत्पाद उपलब्ध कराने के लिये पूरी प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है।

आज हमारा अन्नदाता किसान खुशहाल है आज वह आत्महत्या नही करता, पलायन नही करता, आज उसे कृषि से जुड़े हुए अलाइड सेक्टर में सभी प्रकार के प्रोत्साहन भी मिलते हैं, तकनीक भी मिलती है और उसे हर प्रकार से सरकार सहयोग करने के लिए तत्पर्य रहती है। पहली बार हुआ है कि आईसीआर या सेंट्रल और स्टेट गवरमेंट की यूनिवर्सिटिज में ,लैब्स में, या फिर कृषि विज्ञान केन्द्रों मे जो कृषि वैज्ञानिक कार्य कर रहे हैं वे पहली बार किसानों के खेत में जा करके उनको प्रशिक्षण दिए हैं।

****

आज संविधान हत्या दिवस है। यह दिन हमें उन घटनाओं की याद दिलाता है, जब 25 जून, 1975 को संविधान का गला घोंटकर देश पर आपातकाल थोप दिया गया था। यह आपातकाल से पीड़ित प्रत्येक व्यक्ति को श्रद्धांजलि देने का दिन है। एक रिपोर्ट–

आपातकाल के दौरान जयप्रकाश नारायण, मोरारजी देसाई, अटल बिहारी वाजपेयी, लालकृष्ण आडवाणी और अन्य विपक्षी नेताओं को आंतरिक सुरक्षा अधिनियम मीसा के तहत गिरफ्तार किया गया था। शाह आयोग की रिपोर्ट के अनुसार इस अधिनियम का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया गया था और लगभग 35000 लोगों को बिना किसी सुनवाई के हिरासत में लिया गया था। भारतीय जेलों में 183000 की क्षमता के मुकाबले 2 लाख 20 हजार से अधिक कैदी थे। इनमें से 126000 से अधिक विचाराधीन कैदी थे। आकाशवाणी के मन की बात कार्यक्रम में अपने विचार साझा करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि आपातकाल के दौरान अत्याचारों का सामना करने के बावजूद लोगों का लोकतंत्र में विश्वास बरकरार रहा। जब इमरजेंसी लगाई गई उसमें देश के नागरिकों से सारे अधिकार छीन लिए। लगभग 21 महीने तक चले आपातकाल के दौरान मौलिक अधिकारों को निलंबित कर दिया गया था और मीडिया पर प्रतिबंध लगा दिए गए थे। अनुपम मिश्र, आकाशवाणी समाचार, दिल्ली।

उधर लखनऊ, गोरखपुर, अयोध्या, वाराणसी, बदायूं, सुल्तानपुर, मेरठ, अमरोहा समेत प्रदेश के विभिन्न जिलों में प्रदर्शनी और गोष्ठियों के माध्यम से आपातकाल के दौरान दी गयी यातनाओं के बारे में लोगों को जानकारी दी गयी।

****

मौसम विभाग ने प्रदेश के विभिन्न इलाकों में आगामी दो दिनों तक गरज–चमक के साथ बारिश का अनुमान व्यक्त किया है। इस दौरान पश्चिम के कुछ क्षेत्रों में भारी बारिश की भी सम्भावना जतायी गयी है तो कुछ जिलों में रूक–रूक कर बारिश का क्रम अगले एक सप्ताह तक जारी रहने की उम्मीद है।

****